सेना के जवानों की समस्या सुलझाएगा आईआईटी गांधीनगर

बर्फीली चोटी, रेतीले बोर्डर की तकलीफों को चिन्हित कर, तकनीक के जरिए खोजेंगे समाधान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

अहमदाबाद. विश्व का सबसे ऊंचा युद्ध क्षेत्र माना जाने वाला सियाचीन ग्लेशियर हो या फिर राजस्थान के रेतीले बोर्डर, कश्मीर की पहाड़ियां हो या गुजरात का दलदलीय सीमा से जुड़ा अंतरराष्ट्रीय बोर्डर।

यहां पर तैनात रहने वाले भारतीय सेना के जवानों को होने वाली तकलीफों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-गांधीनगर (आईआईटी-गांधीनगर) दूर करेगा। देश में पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब भारतीय सेना बोर्डर पर तैनात रहने वाले अपने जवानों की परेशानियों को दूर करने के लिए किसी शैक्षणिक संस्थान के साथ हाथ मिलाने जा रही है। आईआईटी गांधीनगर के प्राध्यापक और विद्यार्थी पहले तो जवानों को विविधताओं से भरी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर होने वाली समस्याओं का अध्ययन करेंगे। फिर उनका तकनीक के जरिए हल खोजने का मार्ग निकालेंगे।

आईआईटी गांधीनगर के निदेशक प्रो. सुधीर जैन बताते हैं कि ये संस्थान के लिए ऐतिहासिक प्रोजेक्ट है। दिन रात सीमाओं की सुरक्षा में तैनात रहने वाले जवानों की समस्याओं को सुलझाने के लिए संस्थान हर प्रकार की तकनीकी मदद करने के लिए सेना के साथ मिलकर काम करेगा।

भारतीय सेना के प्लानिंग एंड सिस्टम के डेप्युटी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रत साहा अपनी टीम के साथ मंगलवार को आईआईटी गांधीनगर के पालज स्थित परिसर में संस्थान के निदेशक के साथ करार पर हस्ताक्षर करेंगे। ये मेक इन इंडिया अभियान के तहत मेक प्रोजेक्ट पहल के अंतर्गत किया जा रहा है।

Title: IIT Gandhinagar helps to solve Army jawans
Source: Rajasthan Patrika: Page No: 03
Date: 26/12/2016